केशव महाविद्यालय

हिन्दी भाषा में किए गए कार्य : उपलब्धियों का संक्षिप्त विवरण ।

(जुलाई २०२३ से जून २०२४)

केशव महाविद्यालय में जुलाई **२०२३ से जून २०२४** के दौरान **हिंदी विभाग एवम् हिंदी राजभाषा कार्यवाहन समिति** द्वारा निम्नलिखित कार्यक्रमों का सफल आयोजन किया गया:

1. महाविद्यालय के सभी कारामचारियों के कम्प्यूटर में हिंदी में कार्य करने हेतु यूनिकोड सॉफ़्ट्वेर को स्थापिथ किया गया।
2. हिंदी राजभाषा अधिनियम के अन्तर्गत, महाविद्यालय की हिंदी राजभाषा कार्यान्वयन समिति ने समय समय पर सभी प्रशासनिक व शैक्षणिक विभागों को हिंदी राजभाषा का अधिकतम प्रयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया। फलस्वरूप छात्र छात्राओं संबंधी शैक्षणिक कार्य और दस्तावेज़ीकरण द्विभाषी मोड में शुरू किया गया।
3. सभी विभागों ने द्विभाषीय कार्य करना शुरू कर दिया है।
4. ईमेल सहित अधिकतम पत्राचार द्विभाषीय हो रहे हैं।
5. महाविद्यालय ने 'मेरी भाषा मेरा हस्ताक्षर' नामक अभियान चलाया, जिसमें सभी छात्र-छात्राओं ने अपनी मात्रभाषा में हस्तात्क्षर किए ।
6. महाविद्यालय के पुस्तकालय में हिन्दी भाषा, साहित्य और संस्कृति से संबंधित लगभग 300 पुस्तकों का संकलन कार्य सफलतापूर्तव किया गया, जिससे विद्यार्थियों में हिन्दी भाषा के प्रति रूझान पैदा किया जाये तथा उन्हें उसके साहित्य और ज्ञान से भी परिचित कराया जाये।
7. महाविद्यालय में विदेशी तथा अहिन्दी भाषी विद्यार्थियों को पाठ्यक्रमानुसार हिन्दी सिखाने का कार्य भी किया जा रहा है ।
8. महाविद्यालय में 'दिल्ली विश्वविद्यालय' द्वारा निर्धारित नवीन पाठ्य-क्रम के अनुसार हिंदी भाषा (हिंदी क, ख, ग) तथा विदेशी छात्रों को भी (बेसिक हिंदी) पढ़ाई जा रही है, जिसमें सभी विद्यार्थी रूचि ले रहे हैं ।
9. महाविद्यालय में हिन्दी विभाग की ओर से 'हिंदी कविता लेखन', 'हिंदी निबंध लेखन' 'आशुभाषण' एवं 'आशुलेखन' प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें सभी छात्र-छात्राओं ने बढ़चढ़कर भाग लिया ।
10. महाविद्यालय में हिंदी भाषा के प्रसार हेतु एक नवीन कार्य पध्दति अपनाई गई, जिसमें न केवल हिंदी विभाग, वरन् महाविद्यालय के सभी विभागों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस वर्ष सभी विभागों ने अपने 'विभागीय वार्षिकोत्सव' आयोजित किए, जिसमें कुछ गतिविधियाँ हिंदी भाषा में करवायी गयीं। हिन्दी विभाग़ में कई प्रतियोगिताएं जैसे 'हिंदी कविता लेखन' और 'हिंदी निबंध लेखन' करवायी गयीं।

11. महाविद्यालय के सभी प्रशासनिक फॉर्म जो पहले सिर्फ़ अंग्रेजी में उपलब्ध थे, उनका हिंदी में प्रारूप तैयार कर उन्हें महाविद्यालय की वेबसाईट पर डलवाया गया।
12. दिनांक- १९/०७/२०२३ को महाविद्यालय के 'आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ट' एवम् हिंदी राजभाषा कार्यवाहन समिति के तत्वावधान द्वारा 'प्रशासनिक कार्य एवं राजभाषा हिंदी' विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया । इस कार्यशाला में मुख्य प्रवक्ता के रूप में श्रीमति डॉ ज्योति शर्मा [सह आचार्या शिवाजी कॉलेज] तथा श्री जगदीश राम पौरी [सं. निदेशक : रा. भा.-शिक्षा मंत्रालय, नई दिल्ली, भारत] को आमंत्रित किया गया । कार्यशाला में सभी शैक्षणिक तथा ग़ैर शैक्षणिक कर्मचारियों ने भाग लिया।

13. महाविद्यालय में हिंदी पखवाड़े (१४/९/२०२३ से २७/९/२०२३) के उपलक्ष्य में हिंदी भाषा सम्बन्धित गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिनमें सर्वप्रथम हिंदी भाषा के प्रचार-सार के लए समर्पित विषय "हिंदी भाषा का महत्व और प्रासंगिकता" पर एक व्याख्यान से हुई, जो १४ सितम्बर, २०२३, को सुबह १०:३० बजे केशव

महाविद्यालय के संगोष्ठी कक्ष में आयोजित किया गया। इसके अतिरिक्त आशु-भाषण, कविता पाठ, वादविवाद, रचनात्मक लवखन, तथा समापन सत्र के अवसर पर हिंदी वर्तनी कार्यशाला का आयोजन किया गया । सभी प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया

आयोजित कार्यक्रमों की समय सारिणी निम्न है :

१. व्याख्यान (उद्घाटन सत्र) - 14 सितंबर 2023, वीरवार, 11:30 (पूर्वाह्न)

२. आशुभाषण प्रतियोगिता - 15 सितंबर 2023, शुक्रवार

३. कविता पाठ प्रतियोगिता - 18 सितंबर 2023, सोमवार

४. पर्यावरण के लिए जीवन शैली का महत्व : व्याख्यान - 19 सितंबर 2023, मंगलवार

५. वाद-विवाद प्रतियोगिता - 20 सितंबर 2023, बुधवार

६. सृजनात्मक लेखन - 25 सितंबर 2023, सोमवार

७. समापन सत्र (वर्तनी कार्यशाला) - 27 सितंबर 2023, बुधवार

14. महाविद्यालय में दिनांक 5 अक्टूबर 2023 को "मूल्य संवर्धन पाठ्यक्रम समिति", दिल्ली विश्वविद्यालय के तत्त्वावधान में "भारतीय भक्ति-परंपरा में मानव मूल्य" विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। इस कार्यशाला में अध्यक्ष रूप में प्रोफेसर निरंजन कुमार (अध्यक्ष मूल्य संवर्धन पाठ्यक्रम समिति , डीन,प्लानिंग ,दिल्ली विश्वविद्यालय) मुख्य अतिथि के रूप में श्री सुरेश जैन, राष्ट्रीय संगठन मंत्री, भारत विकास परिषद्, विशिष्ट अतिथि प्रो किरण हज़ारिका, इग्नू , कॉलेज की प्राचार्या प्रो॰ मधु प्रुथी और कॉलेज के हिन्दी विभाग की प्रभारी डॉ रोली बंसल, आन्तरिक गुणवत्ता प्रकोष्ट की संयोजिका प्रो॰ जगनीत कौर आनंद तथा हिंदी राजभाषा कार्यान्वयन समिति संयोजिका प्रो॰अर्पणा शर्मा विराजमान थे। कार्यशाला का संचालन डॉ॰ रिचा शर्मा ने किया।

प्रोफेसर निरंजन कुमार ने कार्यशाला के विषय "भारतीय भक्ति-परंपरा और मानव मूल्य" विषय का परिचय प्रस्तुत करते हुए कहा कि हमें अपने इतिहास को जानना चाहिए और जो इतिहास को नहीं जानता है वह अपने भविष्य को नहीं समझ सकता। भक्ति ने सामान्य उन जन को जीवन में लोकतांत्रिक अधिकार और भागीदारी दी, जो उन्हें आधुनिक काल में संविधान ने दिया। भक्ति वह साधना है, एक चिंतन है, वह व्यवहार है जिसमें लोकतांत्रिक, समानता और मानवता के मूल्यों का प्रकाशन हुआ। यही नहीं भक्ति राष्ट्रीय एकता की भी सूत्रधार रही है। तत्पश्चात प्रोफेसर किरण हज़ारिका ने अपने वक्तव्य में नई शिक्षा नीति के उद्देश्यों को रेखांकित किया। उनके अनुसार दिल्ली विश्वविद्यालय का यह मूल्य संवर्धन पाठ्यक्रम आज की शिक्षा-पद्धति के लिए अत्यंत महत्त्वपूर्ण है क्योंकि भारतीय ज्ञान को पाठ्यक्रम से जोड़ना परम आवश्यक बताते हुए उन्होंने चाणक्य और आर्य भट्ट आदि को विद्यार्थियों से परिचित और उनके योगदान से अवगत करवाना आवश्यक बताया । मुख्य अतिथि श्री सुरेश जैन ने प्राचीन और मध्यकालीन भारत के विविध प्रसंगों का उल्लेख करते हुए कहा कि भारतीयों को अपने इतिहास से जुड़ना आवश्यक है क्योंकि उसी में भविष्य की उज्ज्वल संभावना निहित है। उन्होंने शिक्षक को राष्ट्र निर्माता का रूप बताया जो समाज के निर्माण में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है । उन्होंने कहा कि व्यक्ति-मात्र का संवेदनशील होना समाज और राष्ट्र के लिए हितकारी है। संस्कार हमारे जीवन मूल्यों और साथ ही शिक्षा का केंद्र होने चाहिए। यह भी कि भक्ति परंपरा इस देश के गुरुओं के आस-पास केन्द्रित है। भक्ति से संस्कार निर्माण और संस्कार से राष्ट्र निर्माण संपन्न हो सकेगा।

इस कार्यशाला के तकनीकी सत्रों में में रिसोर्स पर्सन के रूप में प्रो० संध्या गर्ग और डॉ०सत्यप्रिय पांडेय और प्रतिभागियों में विभिन्न महाविद्यालयों के प्राध्यापक और प्राध्यापिकाओं तथा भारी संख्या में छात्र-छात्राओं ने भा ग लिया।

15. केशव महाविद्यालय में सभी विभागों द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया जैसे खेल प्रतियोगिताऐं , रोबोटिक्स, लैन-खेल, जॉब वॉर, ऐस द क्विज, वेब बग, कोड डुएल, ग्रेविटी, प्रशनोत्तरी खोज आदि। इन कार्यक्रमों में हिंदी भाषा के प्रसार व प्रचार करने हेतु हिंदी भाषा में पोस्टर लिखे गए व कई प्रतियोगिताएँ हिंदी में आयोजित की गयीं।
16. साथ ही हिंदी भाषा को बढ़ावा देने के लिए महाविद्यालय में 'मेरी भाषा मेरे हस्ताक्षर' नामक अभियान चलाया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया।
17. महाविद्यालय द्वारा हिंदी भाषा को प्रोत्साहन प्रदान करने के लिए पुस्तकालय में पाठ्यक्रम संबंधी एवं गैर-पाठ्यक्रम की पुस्तकें सम्मिलित की गई।
18. केशव महाविद्यालय में इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग के वार्षिकोत्सव (२२/४/२४) में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया जैसे खेल प्रतियोगिताऐं , रोबोटिक्स इत्यादि।
19. केशव महाविद्यालय में हिंदी राजभाषा कार्यान्वयन समिति एवं हिंदी विभाग द्वारा २९/४/२०२४ को 'हिंदी भाषा का संवर्धन एवं विकास' विषय पर कार्यशाला आयोजित की गई। जिसमें हिंदी विभाग के 4 वक्ताओं ने अपने अपने व्यक्तव्य दिए।

    प्रथम वक्ता के रूप में डॉ० साधना वर्मा ने 'हिंदी भाषा की विकास यात्रा' पर अपनी बात रखी। वहीं अगली वक्ता के रूप में सुश्री मोहिनी दीक्षित ने 'राजभाषा हिंदी का संवैधानिक पक्ष' पर प्रकाश डालते हुए संविधान में हिंदी के स्वरूप को स्पष्ट किया। इसके बाद अगले वक्ता रहे श्री अमन कुमार जिन्होंने 'कार्यालयी हिंदी और उसके प्रयोग के विविध क्षेत्रों' विषय पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया।

अंतिम वक्ता श्री केशव रहे जिन्होंने 'हिंदी भाषा के संवर्धन की वर्तमान स्थिति एवं भविष्य' उपविषय पर अपनी बात रखते हुए शब्दों के अशुद्ध रूप से लेकर कई महत्त्वपूर्ण जानकारियों पर प्रकाश डाला। इस कार्यशाला में राजभाषा हिंदी कार्यान्वयन समिति की संयोजिका प्रो० अर्पणा शर्मा , हिंदी विभाग की समन्वय डॉ० रोली बंसल मंचासीन रहीं। इस कार्यशाला में महाविद्यालय के अन्य विभागों के प्रोफेसर और कर्मचारियों सहित विद्यार्थियों ने प्रतिभागियों के रूप में भाग लिया।

20. केशव महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना तथा शारीरिक शिक्षा विभाग के द्वारा योग के अंतर्राष्ट्रीय दिवस २१/६/२०२४ के उपलक्ष्य "योग प्रदर्शन" का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया।